

॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। ग॒णाना॑म्। त्वा। ग॒णप॑तिमि॒ति ग॒ण-प॑तिम्। ह॒वाम॑हे।
 क॒विम्। क॒वीना॑म्। उ॒पम॑श्र॒वस्तम॑मित्यु॒पम॑श्र॒वः-त॒मम्॥
 ज्ये॑ष्ठराजमि॒ति ज्ये॑ष्ठ-राजम्। ब्र॒ह्म॒णाम्। ब्र॒ह्म॒णः। प॒ते।
 ए॒ति। नः। शृ॒ण्वन्। उ॒तिभि॑रित्यू॒ति-भिः। सी॒द। सा॒दन॑म्॥
 नमः॑। ते। रु॒द्र। म॒न्यवे॑। उ॒तो इति॑। ते। इ॒षवे॑। नमः॑॥
 नमः॑। ते। अ॒स्तु। ध॒न्व॒ने। बा॒हुभ्या॑मि॒ति बा॒हु-भ्या॑म्।
 उ॒त। ते। नमः॑॥ या। ते। इ॒षुः। शि॒वत॑मेति॒ शि॒व-त॑मा।
 शि॒वम्। ब॒भूव॑। ते। ध॒नुः॥ शि॒वा। श॒र॒व्या॑। या। त॒व।
 तया॑। नः। रु॒द्र। मृ॒डय॑॥ या। ते। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः।
 अघो॑रा। अपा॑पकाशिनीत्यपा॑प-काशिनी॥ तया॑। नः। त॒नुवा॑।
 शन्त॑मयेति॒ शम्-त॑मया। गि॒रिश॑न्तेति॒ गि॒रि-श॑न्त॒। अभी॑ति॒।
 चा॒क॒शी॒हि॥ या॑म्। इ॒षुम्। गि॒रिश॑न्तेति॒ गि॒रि-श॑न्त॒। ह॒स्ते॑।
 (१)

बिभ॑र्षि। अस्त॑वे॥ शि॒वाम्। गि॒रि॒त्रेति॑ गि॒रि-त्र॑। ताम्।
 कुरु॑। मा। हि॒॒सीः। पुरु॑षम्। जग॑त्॥ शि॒वेन॑। वच॑सा।
 त्वा। गि॒रिश॑। अ॒च्छा। व॒दाम॑सि॒॥ यथा॑। नः। स॒र्वम्। इत्।
 जग॑त्। अ॒य॒क्ष्मम्। सु॒मना॑ इति॒ सु-मना॑ः। अस॑त्॥ अधी॑ति॒।
 अ॒वोच॑त्। अ॒धि॒व॒क्तेत्य॑धि-व॒क्ता। प्र॒थ॒मः। दै॒व्यः। भि॒षक्॥
 अही॑न्। च। सर्वा॑न्। ज॒म्भय॑न्। सर्वा॑ः। च। या॒तु॒धा॒न्य॑ इति॒
 या॒तु॒धा॒न्यः॥ असौ॑। यः। ताम्रः॑। अ॒रु॒णः। उ॒त। ब॒भ्रुः।

सुमङ्गल इति सु-मङ्गलः॥ ये। च। इमाम्। रुद्राः। अभितः।
दिक्षु। (२)

श्रिताः। सहस्रश इति सहस्र-शः। अवेति। एषाम्। हेडः।
ईमहे॥ असौ। यः। अवसर्पतीत्यव-सर्पति। नीलग्रीव इति
नील-ग्रीवः। विलोहित इति वि-लोहितः॥ उत। एनम्। गोपा
इति गो-पाः। अदृशन्। अदृशन्। उदहार्य इत्युद-हार्यः॥ उत।
एनम्। विश्वा। भूतानि। सः। दृष्टः। मृडयाति। नः॥ नमः।
अस्तु। नीलग्रीवायेति नील-ग्रीवाय। सहस्राक्षायेति सहस्र-
अक्षाय। मीढुषे॥ अथो इति। ये। अस्य। सत्वानः। अहम्।
तेभ्यः। अकरम्। नमः॥ प्रेति। मुञ्च। धन्वनः। त्वम्। उभयोः।
आर्त्रियोः। ज्याम्॥ याः। च। ते। हस्तैः। इषवः। (३)

परेति। ताः। भगव इति भग-वः। वप॥ अवतत्येत्यव-तत्य।
धनुः। त्वम्। सहस्राक्षेति सहस्र-अक्ष। शतेषुध इति शत-
इषुधे॥ निशीर्येति नि-शीर्य। शल्यानाम्। मुखी। शिवः। नः।
सुमना इति सु-मनाः। भव॥ विज्यमिति वि-ज्यम्। धनुः।
कपदिनः। विशल्य इति वि-शल्यः। बाणवानिति बाण-वान्।
उत॥ अनेशन। अस्य। इषवः। आभुः। अस्य। निषङ्गथिः॥
या। ते। हेतिः। मीढुष्टमेति मीढुः-तम्। हस्तैः। बभूव। ते।
धनुः॥ तया। अस्मान्। विश्वतः। त्वम्। अयक्ष्मया। परीति।
भुज॥ नमः। ते। अस्तु। आयुधाय। अनाततायेत्यना-तताय।

धृष्णवे॥ उ॒भाभ्या॑म्। उ॒त। ते। नमः॑। बा॒हुभ्या॑मि॒ति बा॒हु-
भ्या॑म्। तव॑। ध॒न्व॒ने॥ प॒रीति॑। ते। ध॒न्व॒नः। हे॒तिः। अ॒स्मान्।
वृ॒ण॒क्तु। वि॒श्वतः॑॥ अथो॒ इति॑। यः। इ॒षुधि॑रिती॒षु-धिः। तव॑।
आ॒रे। अ॒स्मत्। नी॒ति॑। धे॒हि। तम्॥ (४)

नमः॑। हि॒र॒ण्यबा॑हव॒ इति॑ हि॒र॒ण्य-बा॑ह॒वे। से॒ना॒न्य॑ इति॑
से॒ना-न्यै॑। दि॒शाम्। च। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। वृ॒क्षेभ्यः॑।
ह॒रि॒केशे॑भ्य॒ इति॑ ह॒रि॒केशे॑भ्यः। प॒शूना॑म्। प॒तये॑। नमः॑।
नमः॑। स॒स्मिञ्ज॑राय। त्वि॒षी॑म॒त॒ इति॑ त्वि॒षी॑-म॒ते। प॒थी॑नाम्।
प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। ब॒भ्रु॒शाय॑। वि॒व्या॒धि॒न् इति॑ वि॒व्या॒धि॒नै॑।
अ॒न्ना॒नाम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। ह॒रि॒केशा॑येति॒ ह॒रि॒केशा॑य।
उ॒प॒वी॒ति॒न् इत्यु॑प॒वी॒ति॒नै॑। पु॒ष्टा॒ना॑म्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑।
भु॒व॒स्य॑। हे॒त्यै। जग॑ताम्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। रु॒द्राय॑।
आ॒त॒ता॒वि॒न् इत्या॑-त॒ता॒वि॒नै॑। क्षे॒त्रा॒णा॑म्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑।
सू॒ताय॑। अ॒ह॒न्त्या॑य। व॒ना॒ना॑म्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। (५)

रोहि॑ताय। स्थ॒प॒तये॑। वृ॒क्षा॒णा॑म्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। म॒न्त्रि॒णै॑।
वा॒णि॒जाय॑। क॒क्षा॒णा॑म्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। भु॒व॒न्त॒र्यै॑।
वा॒रि॒व॒स्कृ॒ताये॑ति॒ वा॒रि॒वः-कृ॒ताय॑। ओष॑धी॒नाम्। प॒तये॑।
नमः॑। नमः॑। उ॒च्चैर्घो॑षा॒येत्यु॑च्चैः-घो॒षाय॑। आ॒क्र॒न्द॒य॒त॒ इत्या॑-
क्र॒न्द॒य॒ते। प॒त्ती॒ना॑म्। प॒तये॑। नमः॑। नमः॑। कृ॒थ्स्त्र॒वी॒ताये॑ति॒
कृ॒थ्स्त्र॒वी॒ताय॑। धा॒व॒ते। स॒त्त्वं॒ना॑म्। प॒तये॑। नमः॑॥ (६)

नमः॑। स॒ह॒मा॒नाय॑। नि॒व्या॒धि॒न् इति॑ नि॒व्या॒धि॒नै॑।

आ॒व्या॒धिनी॑ना॒मित्या॑-व्या॒धिनी॑नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।
 क॒कु॒भाय॑। नि॒ष॒ङ्गिण॑ इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। स्ते॒नाना॑म्। पत॑ये।
 नमः॑। नमः॑। नि॒ष॒ङ्गिण॑ इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। इ॒षु॒धि॒मत॑ इती॑षु॒धि॒-
 मते॑। तस्के॑राणाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। व॒श्व॒ते। प॒रि॒व॒श्व॒त॑
 इति॑ प॒रि॒व॒श्व॒ते। स्ता॒यू॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। नि॒चे॒र॒व॑
 इति॑ नि-चे॒र॒वे॑। प॒रि॒च॒रा॒येति॑ प॒रि॒च॒रा॒य॑। अ॒र॒ण्या॒नाम्।
 पत॑ये। नमः॑। नमः॑। सू॒का॒वि॒भ्य॑ इति॑ सू॒का॒वि॒भ्यः॑।
 जि॒घा॑स॒द्भ्य॑ इति॑ जि॒घा॑स॒त्-भ्यः॑। मु॒ष्ण॒ताम्। पत॑ये।
 नमः॑। नमः॑। अ॒सि॒म॒द्भ्य॑ इत्य॑सि॒म॒त्-भ्यः॑। न॒क्त॒म्। च॒र॒द्भ्य॑
 इति॑ च॒र॒त्-भ्यः॑। प्र॒कृ॒न्ता॒ना॒मिति॑ प्र-कृ॒न्ता॒ना॑म्। पत॑ये। नमः॑।
 नमः॑। उ॒ष्णी॒षि॒णे॑। गि॒रि॒च॒रा॒येति॑ गि॒रि॒च॒रा॒य॑। कु॒लु॒श्वा॒ना॑म्।
 पत॑ये। नमः॑। नमः॑। (७)

इ॒षु॒म॒द्भ्य॑ इती॑षु॒म॒त्-भ्यः॑। ध॒न्वा॒वि॒भ्य॑ इति॑ ध॒न्वा॒वि॒भ्यः॑।
 च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। आ॒त॒न्वा॒ने॒भ्य॑ इत्या॑-त॒न्वा॒ने॒भ्यः॑।
 प्र॒ति॒द॒धा॒ने॒भ्य॑ इति॑ प्र॒ति॒द॒धा॒ने॒भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑।
 आ॒य॒च्छ॒द्भ्य॑ इत्या॑य॒च्छ॒त्-भ्यः॑। वि॒सृ॒ज॒द्भ्य॑ इति॑ वि॒सृ॒ज॒त्-भ्यः॑।
 च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। अ॒स्य॒द्भ्य॑ इत्य॑स्य॒त्-भ्यः॑। वि॒ध्य॒द्भ्य॑
 इति॑ वि॒ध्य॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। आ॒सी॒ने॒भ्यः॑।
 श॒या॒ने॒भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। स्व॒प॒द्भ्य॑ इति॑ स्व॒प॒त्-भ्यः॑।
 जा॒ग्र॒द्भ्य॑ इति॑ जा॒ग्र॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। ति॒ष्ठ॒द्भ्य॑
 इति॑ ति॒ष्ठ॒त्-भ्यः॑। धा॒व॒द्भ्य॑ इति॑ धा॒व॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑।

नमः। स॒भाभ्यः। स॒भाप॑तिभ्य॒ इति॑ स॒भाप॑ति-भ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। अ॒श्वेभ्यः। अ॒श्वप॑तिभ्य॒ इत्य॑श्वपति-भ्यः। च।
 वः। नमः॥ (८)

नमः। आ॒व्या॒धिनी॑भ्य॒ इत्या॑-व्या॒धिनी॑भ्यः। वि॒विध्य॑न्तीभ्य॒
 इति॑ वि-विध्य॑न्तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। उ॒ग॒णाभ्यः।
 तृ॒ह॒तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। गृ॒थ्सेभ्यः। गृ॒थ्स॑प॒तिभ्य॒
 इति॑ गृ॒थ्स॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। ब्रा॒त॑ेभ्यः।
 ब्रा॒त॑प॒तिभ्य॒ इति॑ ब्रा॒त॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।
 गु॒णेभ्यः। गु॒णप॑तिभ्य॒ इति॑ गु॒णप॑ति-भ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। वि॒रू॒पेभ्य॒ इति॑ वि-रू॒पेभ्यः। वि॒श्वरू॑पेभ्य॒ इति॑ वि॒श्वच्
 च। वः। नमः। नमः। म॒ह॒द्भ्य॒ इति॑ म॒ह॒त्-भ्यः। क्षु॒ल्ल॒केभ्यः।
 च। वः। नमः। नमः। र॒थिभ्य॒ इति॑ र॒थि-भ्यः। अ॒र॒थेभ्यः।
 च। वः। नमः। नमः। र॒थेभ्यः। (९)

र॒थ॑प॒तिभ्य॒ इति॑ र॒थ॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। से॒ना॑भ्यः।
 से॒ना॑निभ्य॒ इति॑ से॒ना॑नि-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। क्ष॒त्तृभ्य॒
 इति॑ क्ष॒त्-भ्यः। स॒ङ्ग॒ही॒तृभ्य॒ इति॑ स॒ङ्ग॒ही॒तृ-भ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। तक्ष॑भ्य॒ इति॑ तक्ष॑-भ्यः। र॒थ॒का॒रेभ्य॒ इति॑ र॒थ॒का॒रेभ्यः।
 च। वः। नमः। नमः। कु॒ला॒लेभ्यः। क॒र्म॒रि॑भ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। पु॒ञ्जि॒ष्टेभ्यः। नि॒षा॒देभ्यः। च। वः। नमः। नमः। इ॒षु॒कृ॒द्भ्य॒
 इती॑षु॒कृ॒त्-भ्यः। ध॒न्व॒कृ॒द्भ्य॒ इति॑ ध॒न्व॒कृ॒त्-भ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। मृ॒ग॒यु॒भ्य॒ इति॑ मृ॒ग॒यु॒-भ्यः। श्व॒निभ्य॒ इति॑ श्व॒नि-भ्यः।

च। वः। नमः। नमः। श्वभ्य इति श्व-भ्यः। श्वपतिभ्य इति
श्वपति-भ्यः। च। वः। नमः॥ (१०)

नमः। भुवाय। च। रुद्राय। च। नमः। शर्वाय। च। पशुपतय
इति पशु-पतये। च। नमः। नीलग्रीवायेति नील-ग्रीवाय।
च। शितिकण्ठायेति शिति-कण्ठाय। च। नमः। कपर्दिने।
च। व्युप्तकेशायेति व्युप्त-केशाय। च। नमः। सहस्राक्षायेति
सहस्र-अक्षाय। च। शतधन्वन् इति शत-धन्वने। च। नमः।
गिरिशाय। च। शिपिविष्टायेति शिपि-विष्टाय। च। नमः।
मीढुष्टमायेति मीढुः-तमाय। च। इषुमत इतीषु-मते। च।
नमः। ह्रस्वाय। च। वामनाय। च। नमः। बृहते। च। वर्षीयसे।
च। नमः। वृद्धाय। च। संवृध्वन् इति सम्-वृध्वने। च। (११)

नमः। अग्रियाय। च। प्रथमाय। च। नमः। आशवे। च।
अजिराय। च। नमः। शीघ्रियाय। च। शीभ्याय। च।
नमः। ऊर्म्याय। च। अवस्वन्यायेत्यव-स्वन्याय। च। नमः।
स्रोतस्याय। च। द्वीप्याय। च॥ (१२)

नमः। ज्येष्ठाय। च। कनिष्ठाय। च। नमः। पूर्वजायेति
पूर्व-जाय। च। अपरजायेत्यपर-जाय। च। नमः। मध्यमाय।
च। अपगल्भायेत्यप-गल्भाय। च। नमः। जघन्याय।
च। बुध्नियाय। च। नमः। सोभ्याय। च। प्रतिसूर्यायेति
प्रति-सूर्याय। च। नमः। याम्याय। च। क्षेम्याय। च।

नमः। उ॒र्व॒र्या॑य। च। ख॒ल्या॑य। च। नमः। श्लो॒क्या॑य।
 च। अ॒व॒सा॒न्या॑येत्य॒व॒सा॒न्या॑य। च। नमः। व॒न्या॑य। च।
 क॒क्ष्या॑य। च। नमः। श्र॒वा॑य। च। प्र॒ति॒श्र॒वा॑येति॑ प्र॒ति॒श्र॒वा॑य।
 च। (१३)

नमः। आ॒शु॒षे॑णा॒येत्या॒शु॒से॒ना॑य। च। आ॒शु॒र॒था॑येत्या॒शु॒र॒था॑य।
 च। नमः। शू॒रा॑य। च। अ॒व॒भि॒न्द॒त इत्य॑व॒भि॒न्द॒ते। च। नमः।
 व॒र्मि॑णे। च। व॒रू॒थि॑ने। च। नमः। बि॒ल्मि॑ने। च। क॒व॒चि॑ने।
 च। नमः। श्रु॒ता॑य। च। श्रु॒त॒से॒ना॑येति॑ श्रु॒त॒से॒ना॑य। च॥ (१४)
 नमः। दु॒न्दु॒भ्या॑य। च। आ॒ह॒न॒न्या॑येत्या॒ह॒न॒न्या॑य। च। नमः।
 धृ॒ष्ण॑वे। च। प्र॒मृ॒शा॑येति॑ प्र॒मृ॒शा॑य। च। नमः। दू॒ता॑य। च।
 प्र॒हि॒ता॑येति॑ प्र॒हि॒ता॑य। च। नमः। नि॒ष॒ङ्गि॑ण॒ इति॑ नि॒स॒ङ्गि॑ने।
 च। इ॒षु॒धि॑म॒त इती॑षु॒धि॑म॒ते। च। नमः। ती॒क्ष्णेष॑व॒ इति॑
 ती॒क्ष्ण॑-इ॒ष॑वे। च। आ॒यु॒धि॑ने। च। नमः। स्वा॒यु॒धा॑येति॑ सु॒-
 आ॒यु॒धा॑य। च। सु॒ध॒न्व॑न॒ इति॑ सु॒ध॒न्व॑ने। च। नमः। सु॒त्या॑य।
 च। प॒थ्या॑य। च। नमः। का॒ट्या॑य। च। नी॒प्या॑य। च। नमः।
 सू॒द्या॑य। च। स॒र॒स्या॑य। च। नमः। ना॒द्या॑य। च। वै॒श॒न्ता॑य।
 च। (१५)

नमः। कू॒प्या॑य। च। अ॒व॒ट्या॑य। च। नमः। व॒र्ष्या॑य। च।
 अ॒व॒र्ष्या॑य। च। नमः। मे॒घ्या॑य। च। वि॒द्यु॒त्या॑येति॑ वि॒द्यु॒त्या॑य।
 च। नमः। ई॒ध्रि॑या॑य। च। आ॒त॒प्या॑येत्या॒त॒प्या॑य। च। नमः।
 वा॒त्या॑य। च। रे॒ष्मि॑या॑य। च। नमः। वा॒स्त॒व्या॑य। च।

वा॒स्तु॒पा॒येति॑ वा॒स्तु-पा॒य। च॥ (१६)

नमः॑। सो॒मा॒य। च॒। रु॒द्रा॒य। च॒। नमः॑। ता॒म्रा॒य। च॒। अ॒रु॒णा॒य।
 च॒। नमः॑। श॒ङ्गा॒य। च॒। प॒शु॒प॒त॒य॒ इति॑ प॒शु-प॒त॒ये। च॒।
 नमः॑। उ॒ग्रा॒य। च॒। भी॒मा॒य। च॒। नमः॑। अ॒ग्रे॒व॒धा॒येत्य॑ग्रे-व॒धा॒य।
 च॒। दू॒रे॒व॒धा॒येति॑ दू॒रे-व॒धा॒य। च॒। नमः॑। ह॒न्त्रे। च॒। ह॒नी॒य॒से।
 च॒। नमः॑। वृ॒क्षे॒भ्यः। ह॒रि॒केशे॒भ्य॒ इति॑ ह॒रि॒-केशे॒भ्यः। नमः॑।
 ता॒रा॒य। नमः॑। श॒म्भ॒व॒ इति॑ श॒म्-भ॒वै। च॒। म॒यो॒भ॒व॒ इति॑ म॒यः-
 भ॒वै। च॒। नमः॑। श॒ङ्क॒रा॒येति॑ श॒म्-क॒रा॒य। च॒। म॒य॒स्क॒रा॒येति॑
 म॒यः-क॒रा॒य। च॒। नमः॑। शि॒वा॒य। च॒। शि॒व॒त॒रा॒येति॑ शि॒व-
 त॒रा॒य। च॒। (१७)

नमः॑। ती॒र्था॒य। च॒। कू॒ल्या॒य। च॒। नमः॑। पा॒र्या॒य।
 च॒। अ॒वा॒र्या॒य। च॒। नमः॑। प्र॒त॒र॒णा॒येति॑ प्र-त॒र॒णा॒य।
 च॒। उ॒त्त॒र॒णा॒येत्यु॑त्-त॒र॒णा॒य। च॒। नमः॑। आ॒ता॒र्या॒येत्या॑-
 ता॒र्या॒य। च॒। आ॒ला॒द्या॒येत्या॑-ला॒द्या॒य। च॒। नमः॑। श॒ष्या॒य।
 च॒। फे॒न्या॒य। च॒। नमः॑। सि॒क॒त्या॒य। च॒। प्र॒वा॒ह्या॒येति॑
 प्र-वा॒ह्या॒य। च॒॥ (१८)

नमः॑। इ॒रि॒ण्या॒य। च॒। प्र॒प॒थ्या॒येति॑ प्र-प॒थ्या॒य। च॒। नमः॑।
 कि॒॒शिला॒य। च॒। क्ष॒य॒णा॒य। च॒। नमः॑। क॒प॒र्दि॒ने। च॒।
 पु॒ल॒स्त॒यै। च॒। नमः॑। गो॒ष्ठा॒येति॑ गो-स्थ्या॒य। च॒। गृ॒ह्या॒य।
 च॒। नमः॑। त॒ल्प्या॒य। च॒। गे॒ह्या॒य। च॒। नमः॑। का॒ट्या॒य।
 च॒। गृ॒हृ॒रे॒ष्ठा॒येति॑ गृ॒हृ॒रे-स्था॒य। च॒। नमः॑। हृ॒द॒य्या॒य। च॒।

नि॒वे॒ष्या॑येति॒ नि-वे॒ष्या॑य। च॒। नमः॑। पा॒९स॒व्या॑य। च॒।
र॒ज॒स्या॑य। च॒। नमः॑। शु॒ष्क्या॑य। च॒। ह॒रि॒त्या॑य। च॒। नमः॑।
लो॒प्या॑य। च॒। उ॒ल॒प्या॑य। च॒। (१९)

नमः॑। ऊ॒र्व्या॑य। च॒। सू॒र्म्या॑य। च॒। नमः॑। पु॒र्ण्या॑य। च॒।
प॒र्ण॒श॒द्या॑येति॒ पर्ण॑-श॒द्या॑य। च॒। नमः॑। अ॒प॒गु॒रमा॑णायेत्य॒प॒-
गु॒रमा॑णाय। च॒। अ॒भि॒घ्न॒त इत्य॑भि॒घ्न॒ते। च॒। नमः॑। आ॒खि॒ख॒द॒त
इत्या॑-खि॒द॒ते। च॒। प्र॒खि॒ख॒द॒त इति॑ प्र॒-खि॒द॒ते। च॒। नमः॑। वः॑।
कि॒रि॒के॒भ्यः॑। दे॒वाना॑म्। हृद॑येभ्यः। नमः॑। वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्य इति॑
वि॒-क्षी॒ण॒के॒भ्यः॑। नमः॑। वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्य इति॑ वि॒-चि॒न्व॒त्के॒भ्यः॑।
नमः॑। आ॒नि॒र॒ह॒ते॒भ्य इत्या॑निः-हृ॒ते॒भ्यः॑। नमः॑। आ॒मी॒व॒त्के॒भ्य
इत्या॑-मी॒व॒त्के॒भ्यः॑॥ (२०)

द्रा॒पै॑। अ॒न्य॑सः। प॒ते। द॒रि॑द्रत्। नि॒ल॑लो॒हि॒तेति॑ नी॒ल॑-लो॒हि॒त॒॥
ए॒षाम्। पु॒रु॑षाणाम्। ए॒षाम्। प॒शूना॑म्। मा॒। भेः॑। मा॒। अ॒रः॑।
मो इति॑। ए॒षाम्। किम्। च॒न। आ॒म॒म॒त्॒॥ या॒। ते॒। रु॒द्र॒।
शि॒वा। त॒नूः॑। शि॒वा। वि॒श्वा॒ह॑भे॒ष॒जी॒ति॑ वि॒श्वा॒ह॑-भे॒ष॒जी॒॥
शि॒वा। रु॒द्रस्य॑। भे॒ष॒जी॒। तया॑। नः॑। मृ॒डा। जी॒व॒सै॑॥ इ॒माम्।
रु॒द्राय॑। त॒व॒सै॑। क॒प॒र्दि॒नै॑। क्ष॒य॒द्वी॒रा॒येति॑ क्ष॒य॒त्-वी॒रा॒य॒।
प्रेति॑। भ॒रा॒म॒हे। म॒तिम्॥ यथा॑। नः॑। श॒म्। अ॒स॒त्। द्वि॒प॒द
इति॑ द्वि॒-प॒दे॑। च॒तु॑ष्प॒द इति॑ च॒तुः॑-प॒दे॒। वि॒श्वम्। पु॒ष्टम्।
ग्रा॒मे॑। अ॒स्मिन्। (२१)

अना॑तु॒र॒मित्य॑ना॑-तु॒र॒म्॒॥ मृ॒डा। नः॑। रु॒द्र॒। उ॒ता। नः॑। म॒यः॑।

कृधि। क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय। नमसा। विधेम। ते॥
 यत्। शम्। च। योः। च। मनुः। आयुज इत्या-युजे। पिता।
 तत्। अश्याम्। तव। रुद्र। प्रणीताविति प्र-नीतौ॥ मा। नः।
 महान्तम्। उत। मा। नः। अर्भकम्। मा। नः। उक्षन्तम्। उत।
 मा। नः। उक्षितम्॥ मा। नः। वधीः। पितरम्। मा। उत।
 मातरम्। प्रियाः। मा। नः। तनुवः। (२२)

रुद्र। रीरिषः॥ मा। नः। तोके। तनये। मा। नः। आयुषि।
 मा। नः। गोषु। मा। नः। अश्वेषु। रीरिषः॥ वीरान्। मा।
 नः। रुद्र। भामितः। वधीः। हविष्मन्तः। नमसा। विधेम। ते॥
 आरात्। ते। गोघ्न इति गो-घ्ने। उत। पुरुषघ्न इति पुरुष-घ्ने।
 क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय। सुम्रम्। अस्मे इति। ते। अस्तु॥
 रक्षा। च। नः। अधीति। च। देव। ब्रूहि। अधा। च। नः।
 शर्म। यच्छ। द्विबर्हा इति द्वि-बर्हाः॥ स्तुहि। (२३)

श्रुतम्। गर्तसदमिति गर्त-सदम्। युवानम्। मृगम्। न।
 भीमम्। उपहलुम्। उग्रम्॥ मृडा। जरित्रे। रुद्र। स्तवानः।
 अन्यम्। ते। अस्मत्। नीति। वपन्तु। सेनाः॥ परीति।
 नः। रुद्रस्य। हेतिः। वृणक्तु। परीति। त्वेषस्य। दुर्मतिरिति
 दुः-मतिः। अघायोरित्यघा-योः॥ अवेति। स्थिरा। मघवंद्ध्य
 इति मघवंत्-भ्यः। तनुष्व। मीढ्वः। तोकाय। तनयाय।
 मृडय॥ मीढुष्टमेति मीढुः-तम्। शिवंतमेति शिव-तम्।
 शिवः। नः। सुमना इति सु-मनाः। भव॥ परमे। वृक्षे।

आयुधम्। निधायेति नि-धाय। कृत्तिम्। वसानः। एति।
चर। पिनाकम्। (२४)

बिभ्रत्। एति। गृहि॥ विकिरिदेति वि-किरिद्। विलोहितेति
वि-लोहित। नमः। ते। अस्तु। भगव इति भग-वः॥ याः। ते।
सहस्रम्। हेतयः। अन्यम्। अस्मत्। नीति। वपन्तु। ताः॥
सहस्राणि। सहस्रधेति सहस्र-धा। बाहुवोः। तव। हेतयः॥
तासाम्। ईशानः। भगव इति भग-वः। प्राचीना। मुखा।
कृधि॥ (२५)

सहस्राणि। सहस्रश इति सहस्र-शः। ये। रुद्राः। अधीति।
भूम्याम्॥ तेषाम्। सहस्रयोजन इति सहस्र-योजने। अवेति।
धन्वानि। तन्मसि॥ अस्मिन्। महति। अर्णवे। अन्तरिक्षे।
भवाः। अधि॥ नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा
इति शिति-कण्ठाः। शर्वाः। अधः। क्षमाचराः॥ नीलग्रीवा
इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा इति शिति-कण्ठाः। दिवम्।
रुद्राः। उपश्रिता इत्युप-श्रिताः॥ ये। वृक्षेषु। सस्मिञ्जराः।
नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। विलोहिता इति वि-लोहिताः॥
ये। भूतानाम्। अधिपतय इत्यधि-पतयः। विशिखास इति
वि-शिखासः। कपर्दिनः॥ ये। अन्नेषु। विविध्यन्तीति वि-
विध्यन्ति। पात्रेषु। पिबतः। जनान्॥ ये। पथाम्। पथिरक्षय
इति पथि-रक्षयः। ऐलवृदाः। यव्युधः॥ ये। तीर्थानि। (२६)

प्रचरन्तीति प्र-चरन्ति। सृकावन्त इति सृका-वन्तः। निषङ्गिण

इति॑ नि-सङ्गिनः॑॥ ये। ए॒ताव॑न्तः। च। भू॒याꣳसः॑। च। दि॒शः।
 रु॒द्राः। वि॒त॒स्थि॒र इति॑ वि-त॒स्थि॒रे॥ तेषा॑म्। स॒ह॒स्र॒यो॒ज॒न
 इति॑ स॒ह॒स्र-यो॒ज॒ने। अवे॑ति। ध॒न्वा॑नि। त॒न्म॒सि॑॥ नमः॑।
 रु॒द्रेभ्यः॑। ये। पृ॒थि॒व्याम्। ये। अ॒न्तरि॑क्षे। ये। दि॒वि। येषा॑म्।
 अ॒न्नम्। वा॒तः। व॒रु॒षम्। इ॒षवः॑। तेभ्यः॑। द॒श। प्रा॒चीः। द॒श।
 द॒क्षि॒णा। द॒श। प्र॒ती॒चीः। द॒श। उ॒दी॒चीः। द॒श। ऊ॒र्ध्वाः। तेभ्यः॑।
 नमः॑। ते। नः। मृ॒ड॒य॒न्तु। ते। यम्। द्वि॒ष्मः। यः। च। नः।
 द्वेष्टि॑। तम्। वः। ज॒म्भे॑। द॒धा॒मि॑॥ (२७)

त्र्य॑म्ब॒क॒मि॒ति॒ त्रि-अ॒म्ब॒क॒म्। य॒जाम॑हे। सु॒ग॒न्धि॒मि॒ति॒ सु-
 ग॒न्धि॒म्। पु॒ष्टि॒व॒र्ध॒न॒मि॒ति॒ पु॒ष्टि-व॒र्ध॒न॒म्॥ उ॒र्वा॒रु॒क॒म्। इ॒वा॒
 ब॒न्ध॒ना॒त्। मृ॒त्योः। मु॒क्षी॒य। मा। अ॒मृ॒ता॑त्॥ यः। रु॒द्रः। अ॒ग्नौ।
 यः। अ॒प्सि॒स्व॒त्य॒प्-सु। यः। ओ॒ष॒धी॒षु। यः। रु॒द्रः। वि॒श्वे॑।
 भु॒व॒ना। आ॒वि॒वेशे॑त्या॒-वि॒वेश॑। तस्मै॑। रु॒द्राय॑। नमः॑। अ॒स्तु॑॥

॥ ॐ शान्तिः॒ शान्तिः॒ शान्तिः॑॥